

Title: Need to give ambulances and crans for National Highways.

श्री गणेश सिंह (सतना): महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान देश में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं में हर रोज हो रही मौतों की तरफ दिलाना चाहता हूँ। एक्सीडेंट में घायल लोग घंटों सड़क पर पड़े तड़पते रहते हैं जिसके कारण लाखों मौतें हो चुकी हैं। एम्बुलेंस के अभाव में लोग समय पर अस्पताल नहीं पहुँच पाते जबकि राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रति 50 किलोमीटर पर एक एम्बुलेंस और क्रेन देने का प्रावधान है। यह दुर्भाग्य की बात है कि 11वीं पंचवर्षीय योजना में पूरे तीन वर्षों में 140 एम्बुलेंस देने का प्रावधान किया गया था लेकिन अब तक मात्र 70 एम्बुलेंस दी गई हैं। इनमें भी मध्य प्रदेश जैसे विशाल राज्य में जहाँ 4709 किलोमीटर से अधिक राजमार्ग है, एक भी एम्बुलेंस नहीं दी गई है। ऐसा पक्षपात क्यों हो रहा है? मेरे लोकसभा संसदीय क्षेत्र सतना से निकलने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग पर 75 एवं 7 पर हर रोज सड़क दुर्घटना में लोगों की मौत हो रही है। यहाँ एम्बुलेंस की कमी खलती है। मेरी भारत सरकार से मांग है कि राज्यों में मौजूद राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई के अनुसार एम्बुलेंस तथा क्रेन प्रदान की जाए। प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप के तहत जो सड़कें दी गई हैं, उनके टोल प्लाजा पर क्रेन एवं एम्बुलेंस की व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराई जानी चाहिए। मुझे आशा है कि भारत सरकार ऐसा निर्देश अवश्य देगी। साथ ही केन्द्र सरकार से मांग है कि मृतक के परिवारों को 10-10 लाख रुपये दिए जायें।